Nai Dunia (Indore), 26th November 2021, Page-18 (Plus 4)

संक्रमण के बढ़ते आंकड़े बढ़ा रहे चिंता

आइआइएम और आइआइटी इंदौर में आफलाइन कक्षाएं शुरू होने में लग सकता है समय

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कोरोना संक्रमण बढ़ने से शिक्षण संस्थानों की चिंता बढ़े लगी है। शहर में कोरोना संक्रमण के मामले एक बार फिर बढ़ रहे हैं। भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) इंदौर के विद्यार्थी भी संक्रमित निकले हैं। ऐसे में आइआइएम के साथ ही भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर और श्री गोविंदराम सेकसरिया प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान (एसजीएसआइटीएस) की आफलाइन कक्षाएं शुरू होने में समय लग सकता है। तीनों बड़े संस्थान दिसंबर से नियमित कक्षाएं संचालित करने वाले थे लेकिन अब संस्थाएं फिर से योजनाएं बना रहे हैं।

हालांकि तीनों संस्थानों का कहना है कि विद्यार्थियों की पढ़ाई का नुकसान नहीं होने दिया जा रहा। आनलाइन कक्षाएं नियमित संचालित हो रही हैं और विद्यार्थियों से लगातार संपर्क में हैं। एसजीएसआइटीएस के निदेशक डा. आरके सक्सेना का कहना है कि संस्थान में पांच हजार से ज्यादा विद्यार्थी पढ़ते हैं। ऐसे में जब पूरी तरह कक्षाएं संचालित होने लगेंगी तो पूरा परिसर भर जाएगा। कैफेटेरिया, खेल ग्राउंड, होस्टल और मैस में भी विद्यार्थियों की अच्छी संख्या रहेगी। ऐसे में कोरोना संक्रमण परिसर के अंदर न फैले, इसके लिए सख्त नियमों का पालन किया जाएगा। संक्रमण की संख्या बढ़ने से हम आफलाइन कक्षाओं के संचालन की प्रक्रिया में भी बदलाव कर रहे हैं।

आइआइएम में पढ़ रहे 15 सैन्य अधिकारी संक्रमित

इंदौर। पिछले पांच दिन आइआइएम इंदौर में कोर्स करने वाले 15 सैन्य अधिकारियों को कोविड संक्रमण होने की पुष्टि हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग की टीम शुक्रवार आइआइएम परिसर में आर्मी अफसरों के संपर्क में आए लोगों के सैंपल लेने पहुंची। प्रबंधन ने टीम को परिसर में प्रवेश नहीं करने दिया। आइआइएम प्रबंधन ने फोन पर कलेक्टर से बात करवाई तब जाकर सैम्पलिंग टीम बिना जांच किए लौटी।

आइआइएम इंदौर ने भी अपने सभी विद्यार्थियों को फिर से शारीरिक दूरी, मास्क और सैनिटाइजर का उपयोग अनिवार्य रूप से करने के निर्देश जारी किए हैं। आइआइटी इंदौर शुरुआत से ही विद्यार्थियों के साथ किसी भी तरह की रिस्क नहीं लेना चाहता, इसलिए फिलहाल आफलाइन कक्षाएं शुरू होने में संस्थान में अभी समय लग सकता है।

होलकर विज्ञान कालेज के प्राचार्य डा. सुरेश टी.सिलावट का कहना है कि हमने आफलाइन कक्षाएं तो शुरू कर दी हैं, लेकिन संक्रमण संख्या बढ़ने से चिंता है। विद्यार्थियों और प्राध्यापकों को सतर्क किया गया है कि वे कोरोना गाइडलाइन के नियमों को सख्ती से पालन करें।